भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1699

उत्तर देने की तारीख-10/03/2025

बुजुर्गों के सम्मान और देखभाल संबंधी शिक्षण

†1699. श्री जिया उर रहमान:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इस विचार से सहमत है कि युवा पीढ़ी को बुजुर्गों के सम्मान और देखभाल के महत्व के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए;
(ख) यदि हां, तो इस बात को ध्यान में रखते हुए कि विद्यालय और महाविद्यालय उनके बीच सहानुभूति और समझ को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, सरकार द्वारा की जाने वाली प्रस्तावित पहलों का ब्यौरा क्या है; और
(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ग): सरकार बुजुर्गों के सम्मान एवं देखभाल के बारे में युवा पीढ़ी को शिक्षित करने के महत्व को स्वीकार करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 में "बुजुर्गों के सम्मान एवं देखभाल" को प्रमुख महत्व दिया गया है और सम्मान एवं देखभाल पर विशेष ध्यान देने की सिफारिश की गई है। एनईपी, 2020 में अन्य बातों के साथ-साथ यह भी उल्लिखित है कि *"ऐसे बुनियादी नैतिक तर्क, पारंपरिक भारतीय मूल्य और सभी बुनियादी मानवीय और संवैधानिक मूल्यों (जैसे सेवा, अहिंसा, स्वच्छता, सत्य, निष्काम कर्म, शांति, त्याग, सहिष्णुता, विविधता, बहुलवाद, धार्मिक आचरण, लैंगिक संवेदनशीलता,* ***बुजुर्गों के प्रति सम्मान,*** *सभी लोगों के प्रति सम्मान और पृष्ठभूमि को देखे बिना उनकी अंतर्निहित क्षमताओं, पर्यावरण के प्रति सम्मान, सहायता, शिष्टाचार, धैर्य, क्षमा, सहानुभूति, करुणा, देशभक्ति, लोकतांत्रिक दृष्टिकोण, सत्यनिष्ठा, जिम्मेदारी, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व) के फलस्वरूप सभी छात्रों में विकसित किए जाएंगे।"* राष्ट्रीय स्कूल शिक्षा पाठ्यक्रम रूपरेखा (एनसीएफएसई), 2023 में यह स्वीकार किया गया है कि *"निकट समुदाय, बड़े समाज और राष्ट्र के बुजुर्ग सदस्यों के प्रति सम्मान विभिन्न रूपों में व्यक्त किया जाता है। उन्हें उनके जीवन और उपलब्धियों के बारे में पढ़ने और चर्चा के माध्यम से याद किया जाता है। उन्हें वार्तालाप और प्रेरणा के लिए आमंत्रित किया जाता है।"*

*****